वार्षिक रोजगार प्रतिवेदन

2006&07

कार्यालय जिला परिषद, कोटा

DISTRICT PROFILE

राजस्थान के 32 जिलों में कोटा जिले का अपना अलग ही महत्वपूर्ण स्थान हैं। वर्तमान में *''शैक्षणिक नगरी''* के रूप समस्त भारत में प्रसिद्व कोटा जिले में विभिन्न उच्च पदों की कोचिंग दी जाती है, तथा विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा में यहां से शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र चयनित होते है और चयनित छात्रो की संख्या में दिनों–दिन वृद्वि होती जा रही है। इसी कारण कोटा जिले में आई0आई0टी0 खुलना भी प्रस्तावित है। उसके लिये लगभग सभी औपाचारिकताये पूर्ण हो चुकी है,बस केन्द सरकार से अनुमति मिलने का इन्तजार है।

(I) ऐतिहासिक पृश्ठभूमि :

पुण्य सलिला चम्बल नदी के तट पर स्थित कोटा का अपना एक महत्वपूर्ण स्थान है। उपलब्ध शोध ग्रन्थों के अनुसार ईसवी सन् 1264 से पूर्व एक भील शासक कोट्या के नाम पर इस स्थान का नाम कोटाह (कोटा) रखा गया। कोटा में सूरजपोल स्थित झालाहाउस, जिसे पुरालेखागार भी कहा जाता है, में करीब 300 वर्ष पुराना रिकार्ड उपलब्ध है। कोटा के संस्थापक राव माधोसिंह के कार्यकाल से उपलब्ध अभिलेखिय सामग्री हाडौती के अलावा हिन्दी, अंग्रेजी व उर्दु में भी उपलब्ध है। राजस्थान में हाडौती लिपि को सबसे कठिन माना जाता है, लेकिन अब यह प्रचलन में नही है।

जिले में अनेक ऐतिहासिक स्थलों के कारण यहां का ऐतिहासिक महत्व काफी महत्वपूर्ण है। कैथुन का विभिषण मन्दिर जो विश्व में एक मात्र कोटा जिले में ही है। इसके साथ–साथ कोटा डोरिया की साडियां भी विश्व विख्यात है। चम्बल की घाटियों का भी काफी रोमांचक इतिहास रहा है। चम्बल के किस्से काफी लोकप्रिय है। यहां पर पुरानी हवेलियां व परकोटे का अपना अलग ही आर्कशण रहा है। पहले परकोटे के अन्दर ही आबादी निवास करती थी, लेकिन जनसंख्या वृद्वि के साथ–साथ आबादी क्षैत्र का भी विस्तार हो गया है।

पुरानी हवेलियों तथा महलों आदि में भित्ति चित्रों का चित्रण बरबस ही अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर भित्ति चित्रों में विष्णु भगवान व उनके अनेक अवतारों का चित्रण मिलता है। कोटा गढ पैलेस स्थित लक्ष्मी भण्डार के आलों की भित्तियों पर विष्णु के अवतारों का चित्रण मिलता है, वही राजमहल में भी इसका चित्रण है।

(II) भौगोलिक स्थिति :

कोटा जिला राजस्थान के दक्षिणी–पूर्वी भाग में अवस्थित है। $24^0.25^0$ से $25^0.51^0$ उत्तरी अक्षांष एवं $75^0.35^0$ से $77^0.29^0$ से दक्षिणी अक्षांष के बीच 5217 वर्ग किलोमीटर के क्षैत्रफल में फैला है। जिले की जलवायु सघन व शुष्क है। पठारी इलाका होने के कारण यहां गर्मी काफी तेज होती है। यहां का अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस व

न्यूनतम 8.5 डिग्री सेल्सियस रहता हैं, वही औसत तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस रहता है। जिले की सामान्य वर्षा 611.9 मिमी. एवं औसत वार्षिक वर्षा 677.4 मि.मी. है।

क्रसं.	मद	ईकाई	सन्दर्भ	विवरण
1	शहरी	वर्ग कि.मी.	2001	310.05
2	ग्रामीण	वर्ग कि.मी.	2001	4906.95
3	कुल	वर्ग कि.मी.	2001	5217.00

कृषि

क्रसं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल	हेक्टर	2006–07	521133
2	जंगलात	हेक्टर	2006–07	122682
3	पहाड़ियां	हेक्टर	2006–07	6648
4	कृषि अयोग्य भूमि	हेक्टर	2006–07	62061
5	कृषि योग्य बंजर भूमि	हेक्टर	2006–07	22396
6	स्थाई चारागाह	हेक्टर	2006–07	14412
7	बाग तथा वृक्षो का समूह	हेक्टर	2006–07	423
8	अन्य पड़त भूमि	हेक्टर	2006–07	11720
9	चालू पड़त भूमि	हेक्टर	2006–07	10040
10	निबल बोया गया क्षेत्र	हेक्टर	2006–07	270751
11	कुल बोया गया क्षेत्रफल	हेक्टर	2006–07	371884
12	दुपज क्षेत्रफल	हेक्टर	2006–07	101133

आकार के आधार पर कृषि जोत

क्रसं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	1 हेक्टर से कम	संख्या	2005–06	28463
2	1 हेक्टर से 1.99 हेक्टर के बीच	संख्या	2005–06	26115
3	2 हेक्टर से 3.99 हेक्टर के बीच	संख्या	2005–06	25740
4	4 हेक्टर से 9.99 हेक्टर के बीच	संख्या	2005–06	18400
5	10 हेक्टर से अधिक	संख्या	2005–06	2712
6	कुल	संख्या	2005–06	101430
7	औसत उपज प्रति हेक्टर (अ) खाद्यान्न (ब) तिलहन (स) दालें	 कि.ग्रा. कि.ग्रा. कि.ग्रा.	 2006–07 2006–07 2006–07	 2385 1477 1305
8	पम्पसेट द्वारा सिंचित क्षेत्रफल	हेक्टर	2006–07	30835
9	औसत वर्षा	मि.मी.	2006	957.10
10	वास्तविक वर्षा	मि.मी.	2006	1148.6

(III) प्रशासनिक ढांचा :

कोटा जिला संभागीय स्तर का मुख्यालय है। यहां कमिश्नर एवं पुलिस महानिरीक्षक के अलावा जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कार्यालय भी है। इनके अतिरिक्त वर्धमान महावीर खुला विष्वविद्यालय (पूर्व में कोटा खुला विश्वविद्यालय), तकनीकी विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज के साथ–साथ आई0आई0टी भी खुलना प्रस्तावित है।

वर्तमान में कोटा जिले को पांच उपखण्ड में विभाजित कर रखा है– कोटा, दीगोद, सांगोद, रामगंजमण्डी व इटावा। इनके अन्तर्गत पांच तहसील लाड़पुरा, सांगोद,दीगोद, पीपल्दा तथा रामगंजमण्डी है। इनके अतिरिक्त तीन उपतहसील मण्डाना, चेचट व कनवास तथा पांच पंचायत समितियां लाडपुरा, सुल्तानपुर, ईटावा, सांगोद, खैराबाद भी है। जिले में कुल 162 ग्राम पंचायतें तथा 953 राजस्व गांव है। नगरीय क्षेत्र में कैथुन, रामगंजमण्डी एवं सांगोद में नगर पालिका तथा कोटा शहर में नगर निगम कार्यरत है।

नगर एवं ग्राम

क्रम सं.	मद	ईकाई	संन्दर्भ	विवरण
1	विधानसभा क्षेत्र	संख्या	2007	5
2	उपखण्ड	संख्या	2007	5
3	तहसील	संख्या	2007	5
4	उप–तहसील	संख्या	2007	3
5	आई.एल.आर.सर्किल	संख्या	2007	26
6	पटवार मण्डल	संख्या	2007	204
7	पंचायत समिति	संख्या	2007	5
8	कुल ग्राम पंचायत	संख्या	2007	162
9	कुल आबाद ग्राम (राजस्व)	संख्या	2007	864
10	कुल गैर आबाद ग्राम (राजस्व)	संख्या	2007	89
11	कुल नगर	संख्या	2007	4
12	सड़क से जुडे ग्राम	संख्या	2007	501

(IV) दर्शनीय स्थल :

जिले के आसपास अनेक दर्शनीय स्थल हैं जो सैलानियो को अपनी ओर आकर्षित करते है। इनमें कई स्थलों तो ऐतिहासिक महत्व के कारण भी प्रसिद्व हैं। कुछ प्रमुख स्थल निम्न हैं–

(1) **चम्बल उद्यान** :— चम्बल नदी के तट पर दस एकड भूमि में स्थित चम्बल उद्यान राजस्थान के श्रेष्ठतम उद्यानों में से एक हैं। चट्टानी भूमि पर विकसित इस उद्यान की विशेषता यह है कि इसके भूतल को समतल करने की बजाय इसे प्राकृतिक एवं मौलिक रूप में ही विकसित किया गया है। चम्बल के किनारे होने से भी इस उद्यान का विशेष महत्व हैं। चम्बल में नौका विहार की सुविधा के साथ ही मैजिक फाउन्टेन, बच्चों के लिये टायट्रेन, मैरी गो राउण्ड, लक्ष्मण झुला आदि इसके विशेष आर्कषण है। अन्य शहरो से आने वाले व्यक्ति इसे देखना नही भुलते है।

(2) **यातायात पार्क** :— चम्बल उद्यान के निकट 12 एकड़ भूमि पर निर्मित यातायात प्रशिक्षण पार्क राजस्थान का प्रथम व देश के सर्वश्रेष्ठ यातायात पार्को में से एक है। पार्क में किशोरों व बालकों को यातायात के महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिये यातायात प्रशिक्षण दीर्घा का निर्माण किया गया है तथा पार्क की सड़को पर स्थान—स्थान पर सड़क संकेत चिन्ह लगाये गये है। कई भवनो यथा अस्पताल, स्कूल, ड़ाकघर, हवाई अड्डा आदि के मॉडल भी यहां बनाये गये है। पार्क में निर्मित फ्लाई ओवर ब्रिज का अपना अलग आर्कषण है।

(3) **मथुराधीश मन्दिर** :— यहां पाटनपोल में भगवान मथुराधीश का मन्दिर है, जिसके कारण यह नगर वैष्णव सम्प्रदाय का प्रमुख तीर्थ धाम है। देष में वल्लभ स्मप्रदाय के प्रमुख सात पीठों में से कोटा प्रथम पीठ है। मंदिर में वर्ष पर्यन्त अनेक धार्मिक उत्सवो का आयोजन किया जाता है। उस पूरे इलाके को ***नन्दग्राम*** के नाम से भी जाना जाता है।

इन सबके अतिरिक्त क्षारबाग की छतरियां, चारचौमा का शिवालय, कंसुआ का शिव मन्दिर, गेपरनाथ महादेव, दरा अभयारण्य, विभीषण मन्दिर, अधरशिला, जगमंदिर, लक्खीबुर्ज, कोटा बैराज, गढपैलेस, राजकीय संग्रहालय, रंगबाडी, चिडियाघर आदि अनेक ऐतिहासिक एवं दर्शनीय स्थल है।

(V) सांस्कृतिक वैभव :

कोटा जिले का सांस्कृतिक महत्व का भी अपना विशिष्ट स्थान है, जिसमें लोकजीवन और संस्कृति की झांकी मिलती है। यहां की परम्पराओं, विचारधाराए, खानपान, वस्त्राभूषण, व्यवसाय आदि को सहज ही जाना जा सकता है।

विजयपर्व के रूप में मनाया जाने वाला कोटा का दशहरा मेला देशभर में प्रसिद्व है। सन् 1579 में कोटा के शासक रावमाधोसिंह द्वारा स्थापित परम्परा आज 400 वर्षो बाद भी चली आ रही है। वर्तमान में नगर निगम द्वारा आयोजित किये जाने वाले इस मेले को अन्तराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाने के भरसक प्रयत्न किये जा रहे है। नवरात्रा स्थापना के साथ शुरू होकर 18 दिनो तक चलने वाले इस पर्व में कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसमें देशभर के कलाकारों को

आमंत्रित किया जाता है। इसी के साथ होली का पर्व भी उल्लासपूर्वक पूरे जिले में मनाया जाता हैं। सांगोद का न्हाण का अपना विशेष महत्व है। इसमें न रंग होता है, न पानी ओर न ही गुलाल। इसमें ग्रामवासी विचित्र वेषभूषा में अखाडो के साथ जुलुस निकालते है।

इसके अतिरिक्त इस्लाम धर्म के पैगम्बर मोहम्मद साहब के नाती हजरत हसन की याद में उनके अनुयायी मुहर्रम के ताजिये बडी धूमधाम से निकालते है। ईद मिलन हिन्दू–मुस्लिम एकता का प्रतीक है।

BASIC INFRASTRUCTURE

जिले की आधारभुत संरचना काफी अच्छी एवं विकसित हैं। यातायात के साधनों की आसान उपलब्धता के कारण यहां जिला समृद्ध एवं पूर्ण विकसित है।

(1) सड़कें एवं रेलवे :

कोटा जिला बडी रेल लाइन से जुडा होने के कारण लगभग समस्त भारत देश से जुडा हुआ है। दिल्ली व मुंबई के मध्य होने से सभी एक्सप्रेस/मेल गाड़ियों का ठहराव हैं। इसी के साथ कोटा आगार की बसो का संचालन भी अच्छा है। केन्द्रीय बस स्टैण्ड होने के कारण कई राज्यो व लम्बी दूरी की बसों का भी यहां से प्रतिदिन संचालन होता है। जिले में से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 गुजरता हैं। वर्तमान में 4 लेन का कार्य प्रगति पर है।

जिलें की सड़कें

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	राष्ट्रीय राज्यमार्ग	कि.मी.	2006–07	141.00
2	राज्य उच्च मार्ग	कि.मी.	2006–07	258.60
3	मुख्य जिला मार्ग	कि.मी.	2006–07	182.80
4	अन्य जिला सड़कें	कि.मी.	2006–07	102.40
5	अन्य जिला सड़कें (शहरी)	कि.मी.	2006–07	146.98
6	ग्रामीण सड़कें	कि.मी.	2006–07	805.90
7	ग्रामीण सड़कें (कृषि विपणन बोर्ड)	कि.मी.	2006–07	489.56
8	कच्चे रास्ते	कि.मी.	2006–07	632.11
9	पंजीकृत मोटर वाहन (जिले में)	संख्या	2006–07	28641

(2) पेयजल :

समस्त भारत में एक मात्र कोटा जिला ही ऐसा जिला हैं जहां पर 24 घण्टे पीने का पानी उपलब्ध हैं। इसका कारण जिले में बहने वाली बारहमासी नदी चम्बल हैं, क्योकि शहर में पानी की आपूति चम्बल के पानी को फिल्टर करके ही की जाती है। इसके लिये अकेलगढ में जलदाय विभाग का फिल्टर प्लांट स्थापित है। शहरों एवं ग्रामीण इलाको में विभिन्न स्थानो पर बडी–बडी टंकियों का निर्माण कर उनके द्वारा विभिन्न इलाकों में पानी की आपूर्ति की जाती है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण इलाको में मुख्य पेयजल स्त्रोत हैण्डपम्प हैं। इसके अलावा नदियां, तालाब व सरकार की विभिन्न योजनाओं के द्वारा भी पेयजल की आपूर्ति की जाती है।

जल प्रदाय

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	पम्प एवं टेंक योजना	ग्राम संख्या	2006–07	23
2	क्षेत्रीय योजना	ग्राम संख्या	2006–07	18
3	परम्परागत जल स्त्रोत योजना	ग्राम संख्या	2006–07	0
4	पाइप्ड जल योजना	ग्राम संख्या	2006–07	22
5	स्वजल धारा योजना	ग्राम संख्या	2006–07	11
6	हैण्डपम्प से लाभान्वित ग्राम	संख्या	2006–07	714
7	शुद्व पेयजल से जुडे ग्राम	संख्या	2006–07	812
8	कुल स्थापित हैण्ड पम्प (अ) ग्रामीण (ब) शहरी	संख्या संख्या संख्या	2006–07 2006–07 2006–07	7468 6885 583

(3) ऊर्जा :

ऊर्जा के क्षेत्र में भी कोटा प्रथम हैं। कोटा तापीय विद्युत गृह को ***सुपर थर्मल पावर प्लांट*** का दर्जा प्राप्त है। कोटा बैराज में उपलब्ध पर्याप्त मात्रा में जल राशि व अन्य आधारभुत सुविधाओं के कारण इस स्थान को विद्युतगृह की स्थापना के लिये उपयुक्त माना गया है। आवासीय व गैरआवासीय भवनों तथा राख निस्तारण के लिए आवश्यक भुमि की इस क्षेत्र में पर्याप्तता का भी अतिरिक्त लाभ इस स्थल को प्राप्त हुआ है।

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	विद्युतीकृत कस्बे	संख्या	2006–07	7
2	विद्युतीकृत ग्राम	संख्या	2006–07	874
3	**कुल ऊर्जा खपत** (क) घरेलु उपयोग (ख) व्यवसायी (ग) औद्योगिक (घ) सार्वजनिक प्रकाश (ड) सिंचाई (च) जल प्रदाय (छ) अन्य उपयोग	लाख यूनिट लाख यूनिट लाख यूनिट लाख यूनिट लाख यूनिट लाख यूनिट लाख यूनिट लाख यूनिट	2006–07 2006–07 2006–07 2006–07 2006–07 2006–07 2006–07 2006–07	8255.84 2064.97 561.32 4447.14 106.72 563 381.98 130.71
4	विद्युतीकृत कूप संख्या	संख्या	2006–07	115
5	ग्रिड़ सब स्टेशन (अ) 132 के.वी. (ब) 220 के.वी. (स) 33/11 के.वी.	संख्या संख्या संख्या संख्या	2006–07 2006–07 2006–07 2006–07	67 5 3 59

(4) शिक्षा :

शिक्षा के लिये वर्तमान में कोटा जिले का नाम देश–विदेश में प्रसिद्व हैं। पूर्व में औद्योगिक नगरी के नाम से जाना जाने वाला कोटा अब **''शैक्षणिक नगरी''** के नाम से जाना जाने लगा है। विभिन्न उच्चवर्ग की नौकरियों की प्रारम्भिक तैयारी के लिये जिले में समस्त भारत से विद्यार्थी शिक्षा के लिये यहां आते है।

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	**कुल विद्यालय (बालक / बालिका)**	**संख्या**	**2006–07**	**2349**
	1. छात्र	संख्या	2006–07	2235
	2. छात्रायें	संख्या	2006–07	114
	(अ) प्राथमिक विद्यालय	संख्या	2006–07	938
	(ब) उच्च प्राथमिक विद्यालय	संख्या	2006–07	848
	(स) माध्यमिक विद्यालय	संख्या	2006–07	344
	(द) उच्च माध्यमिक विद्यालय	संख्या	2006–07	192
	(य) शिक्षाकर्मी विद्यालय	संख्या	2006–07	27
	(र) वैकल्पिक विद्यालय	संख्या	2006–07	87
	(ल) सामान्य शिक्षा के महाविद्यालय विश्वविद्यालय	संख्या	2006–07	12
	(व) व्यवयायिक / तकनीकी कॉलेज	संख्या	2006–07	13
2	शिक्षण संस्थाओं में विद्यार्थी संख्या			
	(अ) प्राथमिक विद्यालय	संख्या	2006–07	80570
	1. छात्र	संख्या	2006–07	39918
	2. छात्राये	संख्या	2006–07	40652
	(ब) उच्च प्राथमिक विद्यालय	संख्या	2006–07	153284
	1. छात्र	संख्या	2006–07	83390
	2. छात्रायें	संख्या	2006–07	69894
	(स) माध्यमिक विद्यालय	संख्या	2006–07	50740
	1. छात्र	संख्या	2006–07	28784
	2. छात्रायें	संख्या	2006–07	21956
	(द) उच्च माध्यमिक विद्यालय	संख्या	2006–07	72693
	1. छात्र	संख्या	2006–07	45606
	2. छात्रायें	संख्या	2006–07	27087
	(य)विश्वविद्यालय(वर्ध0महा0खुलावि0)	संख्या	2006–07	20732
	1. छात्र	संख्या	2006–07	14140
	2. छात्रायें	संख्या	2006–07	6592

(5) स्वास्थ्य :

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कोटा में अनेक क्रार्यक्रम आयोजित किये जाते है। केन्द्र सरकार व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं को कार्यरूप में लाया गया है। पल्स पोलियों अभियान, टीकाकरण आदि सभी अभियान सफलतापूर्वक सम्पन्न की जाती है। अभी हाल ही में नये कोटा में 400 बिस्तरों का अस्पताल बनकर तैयार हैं, जिसका उद्‌घाटन राजस्थान की मुख्यमंत्री के द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	ऐलोपेथिक चिकित्सालय	संख्या	2006—07	3
2	क्षय निवारण केन्द्र	संख्या	2006—07	1
3	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	संख्या	2006—07	9
4	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	संख्या	2006—07	29
5	शहरी डिस्पेंसरी	संख्या	2006—07	13
6	उच्चीकृत प्राथ0 स्वास्थ्य केन्द्र	संख्या	2006—07	0
7	उच्चीकृत उप—केन्द्र	संख्या	2006—07	0
8	उपकेन्द्र	संख्या	2006—07	158
9	ई.एस.आई. डिस्पेंसरी	संख्या	2006—07	4
10	मातृ शिशु स्वा0 कल्याण केन्द्र	संख्या	2006—07	4
11	एड़पोस्ट डिस्पेंसरी	संख्या	2006—07	6
12	सेटेलाईट अस्पताल	संख्या	2006—07	1
13	आयुर्वेदिक चिकित्सालय (अ) ''अ'' श्रेणी (ब) ''ब'' श्रेणी	संख्या संख्या संख्या	2006—07 2006—07 2006—07	57 1 56
14	होम्योपेथिक चिकित्सालय	संख्या	2006—07	5
15	यूनानी दवाखाना	संख्या	2006—07	1
16	निजी चिकित्सालय	संख्या	2006—07	55

(6) सार्वजनिक वितरण :

जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत विभिन्न योजनाए संचालित की जा रही हैं। जिसके अन्तर्गत गेहूं वितरण, केरीसीन, निर्धन परिवारों के लिये सस्ता अनाज उपलब्ध कराना आदि अनेक कार्य किये जा रहे है।

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	उचित मूल्य की दुकान (शहरी)	संख्या	2006—07	290
2	उचित मूल्य की दुकान (ग्रामीण)	संख्या	2006—07	277
3	पेट्रोल पम्प	संख्या	2006—07	72
4	गैस ऐजेन्सी	संख्या	2006—07	14

5	बी.पी.एल. परिवार	संख्या	2006—07	63900
6	अन्त्योदय परिवार	संख्या	2006—07	18298
7	अन्नपूर्णा परिवार	संख्या	2006—07	3306

(7) संचार व्यवस्था :

जिले की संचार व्यवस्था भी काफी विकसित है। यहां का दूरसंचार विभाग का कार्यालय पूर्णतया कम्प्यूटरीकृत हैं। लैण्ड लाइन, मोबाइल आदि की सुविधा के साथ—साथ अब दूरसंचार विभाग इन्टरनेट के कनेक्शन भी उपलब्ध करा रहा है। आरक्षित वर्गो के लिये अनेक फायदेमंद योजनाओं के द्वारा इसका काफी विस्तार किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कई निजी कम्पनियां भी उपभोक्ताओं को अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। विशेषकर ग्रामीणों के लिये कई रियारती योजनाएं दुरसंचार विभाग द्वारा संचालित की जा रही है। सरकारी कर्मचारियों के लिये भी विशेष रियायती पैकेज उपलब्ध है।

क्रम सं	**मद**	**ईकाई**	**संदर्भ अवधि**	**विवरण**
1	ड़ाकघर	संख्या	2006—07	195
2	प्रशासनिक मण्ड़ल कार्यालय	संख्या	2006—07	1
3	लेटर बॉक्स	संख्या	2006—07	566
4	व्यावसायिक विकास केन्द्र	संख्या	2006—07	2
5	वेस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर केन्द्र	संख्या	2006—07	16
6	उपभोक्ता सेवा केन्द्र	संख्या	2006—07	11
7	टेलीफोन केन्द्र	संख्या	2006—07	58
8	तारघर	संख्या	2006—07	3
9	टेलीफोन कनेक्शन (अ) शहरी (ब) ग्रामीण	संख्या संख्या संख्या	2006—07 2006—07 2006—07	79284 66889 12395
10	पी.सी.ओ. (अ) लोकल (ब) ग्रामीण (स) एसटीडी	संख्या संख्या संख्या संख्या	2006—07 2006—07 2006—07 2006—07	3409 286 911 2212
11	टेलीफोन घनत्व(1000जनसंख्या पर)	संख्या	2006—07	110
12	मोबाइल (बीएसएनएल)	संख्या	2006—07	93925
13	टेलीफोन सुविधायुक्त ग्राम	संख्या	2006—07	911

(8) अन्य :

इसके अतिरिक्त अन्य विभागों का भी जिले के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इनके अन्तर्गत बैंकिंग, सहकारिता, पुलिस आदि है।

बैकिंग– बैंको की संख्या

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	व्यावसायिक बैंक	संख्या	2006–07	27
2	ग्रामीण बैंक	संख्या	2006–07	1
3	सहकारी बैंक	संख्या	2006–07	1
	शाखाओं की संख्या			
1	व्यावसायिक बैंक	संख्या	2006–07	102
2	ग्रामीण बैंक	संख्या	2006–07	32
3	सहकारी बैंक	संख्या	2006–07	11

स्वायत्त शासन निकाय

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	नगर पालिका	संख्या	2006–07	3
2	नगर निगम	संख्या	2006–07	1

छात्रावास सुविधा

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	**समाज कल्याण छात्रावास :**	संख्या	2006–07	18
	(1) सरकारी	संख्या	2006–07	16
	(2) अनुदान सहायता प्राप्त	संख्या	2006–07	2
	(3) अन्य	संख्या	2006–07	–

पुलिस

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	पुलिस थाना	संख्या	2006–07	29
2	पुलिस चौकी	संख्या	2006–07	34
3	कारागार	संख्या	2006–07	3
4	प्रतिवेदित अपराध	संख्या	2006–07	20632
	(अ) संज्ञेय	संख्या	2006–07	8181
	(ब) असंज्ञेय	संख्या	2006–07	12451

सहकारी समितियां

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	सहकारी समितियां	संख्या	2005–06	724
2	सदस्यता	संख्या	2005–06	306637

DEMOGRAPHIC DATA

जिले में देश की विभिन्न जातियां निवास करती है। रोजगार के लिये प्रतिदिन यहां पर अन्य राज्यो से लोगो का आनाजाना लगा रहता है। शिक्षा नगरी होने से कई प्रकार के रोजगार के साधनों में भी वृद्वि हुई हैं

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	पुरूष	संख्या	2001	827128
2	स्त्री	संख्या	2001	741397
3	योग	संख्या	2001	1568525
4	ग्रामीण	संख्या	2001	729948
5	शहरी	संख्या	2001	838577
6	जनसंख्या घनत्व (व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.)	प्रति वर्ग किमी.	2001	288
7	कुल साक्षरता दर	प्रतिशत	2001	73.53
	(अ) पुरूष	प्रतिशत	2001	85.23
	(ब) स्त्री	प्रतिशत	2001	60.43
8	कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या	प्रतिशत	2001	53.46
9	प्रति 1000 पुरूषो पर स्त्रियां	संख्या	2001	896
10	अनुसूचित जाति	संख्या	2001	300555
11	अनुसूचित जनजाति	संख्या	2001	151969
12	जनसंख्या की 10 वर्षीय वृद्वि दर	प्रतिशत	2001	(+) 28.52
13	कुल परिवार	लाखों में	2001	2.80

बी.पी.एल. परिवार

क्रम सं	मद	ईकाई	विवरण
1	लाड़पुरा	संख्या	6139
2	सुल्तानपुर	संख्या	4518
3	ईटावा	संख्या	6796
4	सांगोद	संख्या	6643
5	खैराबाद	संख्या	4606
	कुल योग		**28702**

ECONOMIC PROFILE

जिले में कई प्रकार के उद्योग–धन्धे होने से जिला आर्थिक रूप से समृद्व एवं खुशहाल है।

पशुपालन :

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	पशु चिकित्सालय	संख्या	2006–07	28
2	उप केन्द्र	संख्या	2006–07	35
3	पशु स्कन्ध व कुक्कुट (क) कुल पशु स्कन्ध (ख) गाय/बैल/सांड (ग) भैंस/भैसें (घ) सुअर (ड) ऊंट (च) भेडे (छ) बकरियां (ज) घोडे व टट्टू (झ) गधे खच्चर (न) कुत्ते/कुत्तियां (प) कुल कुक्कुट (फ) अन्य (खरगोष)	संख्या संख्या संख्या संख्या संख्या संख्या संख्या संख्या संख्या संख्या संख्या संख्या संख्या	2003 2003 2003 2003 2003 2003 2003 2003 2003 2003 2003 2003 2003	713507 691247 230401 190272 17456 2678 24649 189046 375 1058 35178 22260 134

डेयरी

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	दुग्ध उत्पादन सहकारी समितियां	संख्या	2006–07	135
2	सदस्य संख्या	संख्या	2006–07	7846
3	दुग्ध संकलन केन्द्र	संख्या	2006–07	38
4	औसत दुग्ध संकलन	कि.ग्रा.	2006–07	8043

उद्योग

क्रम सं	मद	ईकाई	संदर्भ अवधि	विवरण
1	पंजीकृत औद्योगिक ईकाइयां	संख्या	2006–07	1007
2	कुल औद्योगिक ईकाइयां	संख्या	2006–07	10138
3	बन्द ईकाइयां	संख्या	2006–07	10
4	प्रतिवेदित वर्ष में शेष लघु औद्योगिक ईकाइयां	संख्या	2006–07	10128
5	कारखाना अधि0के अन्तर्गत पंजीकृत मध्यम व वृहद ईकाइयां	संख्या	2006–07	268

6	लघु ईकाइयों में राजगार	संख्या	2006—07	4489
7	कुल औद्योगिक ईकाइयों में रोजगार	संख्या	2006—07	36719
8	मध्यम व वृहद इकाईयां	संख्या	2006—07	14
9	मध्यम व वृहद इकाईयो में रोजगार	संख्या	2006—07	6528
10	औद्योगिक क्षेत्र	संख्या	2006—07	16
11	औद्योगिक इकाईयों में विनियोजन (अ) लघु उद्योग (ब) मध्यम व वृहद उद्योग	 लाख रू. लाख रू.		 15182.81 443000.45

रोजगार :

1. कृषि, मत्स्य एवं एनीमल हसबैण्ड्री 1830
2. खनिज व वन विभाग 3793
3. ग्रामीण उद्योग व अन्य 687
4. नोकरी व अन्य 54651

- **MIGRATION PATTERN :**

1. Migration Pattern - From Adjoining District Kota
2. Seasons of Migration - Raining Seasons
3. Rural of Migration - Yes
4. Urban to Rural areas Migrations - No
5. Migration outside States, its seasonally and regional pattern of out-migration and in-migration - No

- Rural and Urban employment scenario during 2006-07 funding and strategies for 2007-08.

(i) The annual employment report of the district should be loaded online in the website of the ministry of rural development- www.rural.nic.in

(ii) The annual employment report of the district must have maximum tabulated primary / secondary data that can be utilized for formulation of programmers and policies in the district.

(iii) The format may be improved by adding some more information as per requirements / features of the district.

(iv) The annual employment report of the district be prepared / update during the first quarter of every succending year by 30th june positively.

(v) If need be services of outside professional agency may be hired and paid out of NREGA / DRDA Adm.funds.